

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया को डिसेबिलिटी एजुकेशन प्रोग्राम्स में मिला सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस का दर्जा

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) 1980 के दशक से दिव्यांग व्यक्तियों के उत्थान, सशक्तिकरण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। अपनी लगातार अकादमिक प्रतिबद्धता और समावेशी सोच के माध्यम से, विश्वविद्यालय शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों को मुख्यधारा में लाने में योगदान देने वाले एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संस्थान के रूप में उभरा है।

इसके लंबे समय से चले आ रहे योगदान और अकादमिक उत्कृष्टता को देखते हुए, शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग और मनोविज्ञान विभाग द्वारा पेश किए जाने वाले दिव्यांगता से संबंधित कार्यक्रमों को भारतीय पुनर्वास परिषद से असाधारण मान्यता मिली है। इन कार्यक्रमों को उनकी गुणवत्ता, गहराई, व्यावसायिक प्रासंगिकता और सामाजिक प्रभाव के लिए सराहा गया है।

शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग और मनोविज्ञान विभाग वर्तमान में विशेष शिक्षा में निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रम चला रहे हैं: बी.एड. विशेष शिक्षा (अधिगम अक्षमता); बी.एड. विशेष शिक्षा (दृष्टिबाधित); एम.एड. विशेष शिक्षा (अधिगम अक्षमता); एम.एड. विशेष शिक्षा (दृष्टिबाधित) और बाल्यावस्था मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा।

इन कार्यक्रमों ने योग्य विशेष शिक्षकों और पेशेवरों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो शैक्षिक और पुनर्वास सेटिंग्स में विभिन्न दिव्यांगता समूहों के साथ काम करने के लिए सुसज्जित हैं।

यह मान्यता इसलिए भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इन कार्यक्रमों के लिए अनुमोदन अवधि को मानक अवधि से आगे बढ़ा दिया गया है। जबकि पहले अनुमोदन आमतौर पर पांच वर्ष के लिए दिए जाते थे, वर्तमान अनुमोदन को अधिकतम सात साल की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, मनोविज्ञान विभाग में कार्यक्रम, जिन्हें पहले केवल तीन वर्ष के लिए अनुमोदन मिला था, अब अतिरिक्त चार साल के लिए बढ़ा दिया गया है, जिससे ये कार्यक्रम बिना किसी पुनः आवेदन या नवीनीकरण की आवश्यकता के कुल सात शैक्षणिक वर्षों तक चल सकेंगे।

इस मान्यता का एक उल्लेखनीय परिणाम यह है कि संबंधित परिषदों ने इन कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भुगतान किए गए प्रोसेसिंग और अनुमोदन शुल्क की वापसी को भी मंजूरी दे दी है। यह दुर्लभ कदम जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अकादमिक मानकों, संस्थागत विश्वसनीयता और लगातार प्रदर्शन में परिषदों के उच्च स्तर के विश्वास को दर्शाता है। वाइस-चांसलर प्रो. मज़हर आसिफ़ के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) से दिव्यांगता अध्ययन विभाग स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है, जिन्होंने जेएमआई में डिसेबिलिटी एजुकेशन को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाई है। जामिया के वी.सी. प्रो. आसिफ़ ने कहा, "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस का दर्जा मिलना जामिया में विकलांगता-केंद्रित शिक्षा, रिसर्च और ट्रेनिंग को संस्थागत बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उनके पुनर्वास में बहुत मददगार होगा, जो जामिया के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण काम है।"

जामिया के रजिस्ट्रार, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, जो दिव्यांगता अध्ययन विभाग की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए मीटिंग्स आयोजित करने और सभी ज़रूरी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरा करने में सक्रिय रहे हैं, ने कहा, "यह फैकल्टी सदस्यों के बेहतरीन काम और प्रतिबद्धता का नतीजा है कि विकलांगता अध्ययन विभाग अस्तित्व में आया है। मुझे विश्वास है कि यह नया विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण के इस बहुत ज़रूरी और महत्वपूर्ण क्षेत्र में शानदार और अनुकरणीय काम करेगा।"

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर, प्रो. आसिफ़ ने टीचर ट्रेनिंग और नॉन-फॉर्मल एजुकेशन विभाग, मनोविज्ञान विभाग और विश्वविद्यालय समुदाय के फैकल्टी सदस्यों को उनके सामूहिक प्रयासों के लिए बधाई दी और इस क्षेत्र में लगातार उत्कृष्टता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रो. रिज़वी ने भी बधाई दी और विकलांग व्यक्तियों की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया को सबसे पसंदीदा विश्वविद्यालयों में से एक बनाने में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। डॉ. मोहम्मद फैजुल्लाह खान द्वारा समन्वित बचपन मार्गदर्शन और परामर्श और विशेष शिक्षा कार्यक्रमों में एडवांस्ड डिप्लोमा विकलांगता और पुनर्वास शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल रही है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, डॉ. खान ने कहा कि यह मान्यता "समावेशी विकलांगता शिक्षा और उच्च-गुणवत्ता वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण के प्रति जामिया मिल्लिया इस्लामिया की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।"

इस मान्यता के बाद जामिया अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार करने, अधिक अवसर पैदा करने और दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा, सशक्तिकरण और समग्र विकास के उद्देश्य से अतिरिक्त कार्यक्रम शुरू करने की उम्मीद करता है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी